नोट्स

B.A. Part – IIIrd (Hons)

Sub – Geography

Paper – VI (Human Geography)

Group – 'B'

Unit – IV

स्थानान्तरण के कारण (Cause of Migration)

मानव गतिशील प्राणी है। जब किसी क्षेत्र में जनसंख्या का भार, उसके आर्थिक साधनों की तुलना में असंतुलित हो जाता है तो वह अपने मूल स्थान को छोड़कर अन्यत्र चला जाता है। प्रो० ब्लॉश ने इस तथ्य को इस प्रकार स्पष्ट किया है – " जब मक्खियों का छत्ता पूरी तरह भर जाता है तो मक्खियाँ उसे छोड़कर अन्यत्र चली जाती हैं। सभी कालों में ऐसा इतिहास रहा है।"

कुमारी सैम्पल के अनुसार :→ यद्यपि यह माना जाता है कि विश्व का बसाव क्रमिक स्थानान्तरणों से हुआ है, किन्तु तथ्य यह बताते हैं कि मानव का पृथ्वी पर धीरे-2 जमाव उसी प्रकार हुआ है जिस प्रकार न्यू इंग्लैण्ड में भ्रमणशील कीड़े (Gypsy Molk) का।"

दूसरा अत्यधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि मानव का प्रवास सामाजिक आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं भौतिक दशाओं की उपज है, जिसमें कि व्यक्ति और समाज अपने आप को पाता है।

अतः स्थानान्तरण के निम्नलिखित कारण हैं :—

(क) **बुद्धिजीवी लोगों का स्थानान्तरण :→** इसे Brain drain migration कहा जाता है। इसके अन्तर्गत कम विकसित देशों में वैज्ञानिक, इंजिनियर, डाक्टर को उचित सम्मान नहीं मिल पाता है। अतः अधिक पैसे आदि के लिए विकसित देशों में जाते हैं। आज भारत, पाकिस्तान, चीन, इन्डोनेशिया आदि के लोग बड़ी संख्या में U.S.A., U.K., Canada जाकर बस गये हैं।

(ख) **राजनीति प्रेरित स्थानान्तरण :→** इस प्रकार का स्थानान्तरण बहुत सीमित है। इसमें राजनैतिक कारणों से दूसरे देशों में लोगों का शरण ली जाती है। ताइवान से चीन तथा चीन से ताइवान को स्थानान्तरण राजनैतिक था।

(ग) **श्रम स्थानान्तरण :→** इसमें अधिकतर श्रमिक रोजगार प्राप्ती के लिए स्थानान्तरित होते हैं। उदाहरण स्वरूप भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश आदि से लोग स्थानान्तरण होकर खाड़ी देश, U.S.A, Canada, यूरोपीय देश जा रहे हैं।

(घ) **सांस्कृतिक उत्पीड़न के परिणाम स्वरूप :→** इसमें राजनैतिक, धार्मिक एवं सामाजिक उत्पीड़न के कारण दूसरे देशों में जाते हैं। तिब्बत से भारत आए बौद्ध शरणार्थी, बंगला देश से आए चकमा शरणार्थी, श्री लंका से आए तमिल शरणार्थी इसी प्रकार के स्थानान्तरित लोग हैं।

(ङ) **दैविक आपदा के कारण स्थानान्तरण :–** जिस देश में अधिक अनावृष्टि, अतिवृष्टि, बाढ़, भूकम्प और ज्वालामुखी के उद्गार होते हैं उस देश के लोग अपना देश छोड़कर दूसरे देश चले जाते हैं।

इसके अलावे शिक्षा, इच्छित अनुकूल वातावरण जैसे जलवायु, आवास व्यवस्था, आमोद, प्रमोद के साधन, दूसरे देश के स्त्री या पुरुष से विवाह कर लेना आदि के कारण स्थानान्तरण होता है।

Scanned with CamScanner

स्थानान्तरण के प्रभाव (Effects of Migration)

मानव के स्थानान्तरण का प्रभाव विशेषतः संस्कृति पर पड़ता है, किन्तु आर्थिक प्रभाव भी महत्त्वपूर्ण होते हैं। स्थानान्तरण के कारण निम्नलिखित प्रभाव पड़ता है। →

(i) जहाँ आप्रवासी (बाहर देश के लोग) बहुसंख्यक (अधिक मात्रा में) और शक्तिशाली होते हैं, किन्तु देशवासी कम और शक्तिहीन हों तो उस देश की संस्कृति नष्ट हो जाती है और वहाँ आप्रवासियों की संस्कृति अपना आधिपत्य जमा लेती है। फिलीपाइन्स में अमेरिकी, दक्षिणी अफ्रीका में योरोपीय तथा दक्षिणी अमेरिकी लैटिन देशों में स्पेनी, ~~पुर्तगाल~~ पुर्तगाली और अंग्रेजी सभ्यता की छाप स्पष्ट देखने को मिलता है। भारत, म्यामार, श्रीलंका, पाकिस्तान, इण्डोनेशिया देशों पर भी अंग्रेजी सभ्यता का छाप स्पष्ट दिखाई पड़ता है।

इसके विपरीत, यदि आप्रवासी लोग ऐसे देश में पहुँचते हैं जहाँ निवासी इतने शक्तिशाली हैं कि उन्हें हटाया नहीं जा सकता तो नये आने ~~वाले~~ वालों की संस्कृति मूल देशवासी ~~की संस्कृति~~ में मिल जाती है।

उदाहरण स्वरूप — भारतीयों ने सभी विदेशी संस्कृति को अपने में मिला लिया।

(ii) जनसंख्या स्थानान्तरण का आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है थॉमस के अनुसार — "स्थान परिवर्तन करने वाले प्रायः बलिष्ठ नौजवान ही होते हैं जबकि बाल, वृद्ध और दुर्बल आदि सभी पीछे रह जाते हैं। नौजवान लोग जिस देश में पहुँचते हैं, उस शक्तिशाली बनाकर उसका आर्थिक विकास कर देते हैं। जबकि पीछे बच्चे, बूढ़े और दुर्बल लोग की कार्यक्षमता कम होने के कारण उनके अपने देश का आर्थिक विकास पिछड़ जाता है। अधिक हष्ट-पुष्ट एवं कुशल व्यक्तियों के कारण ही आस्ट्रेलिया, रूस के पूर्वी भाग, न्यूजीलैण्ड, दक्षिणी अफ्रीका, अमेरिका आदि देशों का आर्थिक विकास सम्भव हो पाया है।"

(iii) मानव स्थानान्तरण के कारण ही अनेक क्षेत्रों में नयी फसलें या पशु पहुँचते हैं। यूरोप प्रवासियों ने नवीन स्थानों पर कृषि की फसलें (जैसे – मोटे अनाज, गेहूँ और जौ), पशु (जैसे – घोड़, गाय, बैल भेड़ एवं बकरियाँ) खट्टे तथा रसदार फल, अनेक प्रकार की सब्जियों का ज्ञान कराया। नयी दुनियाँ ने यूरोप तथा एशिया को नयी फसल (जैसे – मक्का, तम्बाकू, टमाटर, रबर, मैनीओक) आदि प्रदान की।

Q. राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास का वर्णन करें ?

राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास या स्थानान्तरण का मतलब व्यक्ति या समूह एक स्थान छोड़कर दूसरे स्थान पर जाकर बस जाना है। मानव के स्थानान्तरण या प्रवास के कई कारण हो सकते हैं जैसे— प्राकृतिक विपदाएँ, मानवनिर्मित विपदाएँ, आर्थिक कारण, जनसंख्या का दबाव तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक शक्तियाँ आदि। इस प्रकार मानव के लिए जहाँ भौगोलिक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं होती हैं तो वह ऐसी जगह स्थानान्तरण या प्रवास होता है जहाँ की परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

U.N.O. के अनुसार :— "यह एक प्रकार की भौगोलिक क्रिया है, जिसमें मानव जाति का स्थान स्थाई रूप से परिवर्तित हो जाता है।"

ई. एस. ली. के अनुसार :— "स्थानान्तरण अस्थाई या अर्द्ध-स्थाई आवास परिवर्तन है। इसमें दूरी का अधिक महत्व नहीं है।"

डेविस हीर :— "अपने सामान्य निवास स्थान से किसी अन्य स्थान पर जाकर बसना स्थानान्तरण कहा जाता है।"

उत्प्रवास (Emigration) एवं आप्रवास (Immigration)

उत्प्रवास :— जब कोई व्यक्ति अपने प्रदेश या देश से जाता है तो यह उत्प्रवास कहलाता है।

आप्रवास :— जब कोई व्यक्ति अपना देश या प्रदेश छोड़ कर जहाँ बसते हैं तो इसे आप्रवास कहा जाता है।

उदाहरण के लिए — मध्य प्रदेश एवं राजस्थान से जब कोई व्यक्ति मुम्बई जाकर बसता है तो मुम्बई के लिए आप्रवासी होगा एवं मध्य प्रदेश या राजस्थान के लिए प्रवासी होगा।

स्थानान्तरण (प्रवास) के प्रकार (Types of migration)

मानवीय प्रवास के दो प्रकार होते हैं— (1) राष्ट्रीय या स्थानीय
(2) अन्तर्राष्ट्रीय

1/ राष्ट्रीय या स्थानीय :— किसी देश के अन्दर ही अन्तर्राज्यीय या अन्तर जिला स्थानान्तरण (प्रवास) को अन्तर्देशीय या स्थानीय स्थानान्तरण कहते हैं। इस प्रकार का स्थानान्तरण भी मुख्य रूप से आर्थिक कारणों से होता है। जिस क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसर मिलते हैं, वहाँ लोग जाकर बस जाते हैं। भारत में गंगा के मैदानी भाग से लोगों का कलकत्ता तथा छोटानागपुर के खनिज एवं औद्योगिक प्रदेश में स्थानान्तरण होता है। भारत में ही बिहार एवं उत्तर प्रदेश से श्रमिक पंजाब में स्थानान्तरित हुए हैं। गाँव के लोग अपनी सुविधा के लिए शहरों में चले जाते हैं। इस प्रकार के देश के अन्दर ही विभिन्न कारणों से जनसंख्या का स्थानान्तरण होता है। इसे ही आन्तरिक स्थानान्तरण, राष्ट्रीय, स्थानीय, अन्तर्राज्यीय स्थानान्तरण (प्रवास) कहते हैं।

Scanned with CamScanner

2. अन्तराष्ट्रीय स्थानान्तरण (प्रवास) :— के अन्तर्गत मानव समूह का प्रवास एवं राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र को होता है। इस प्रकार चीन के लोग इण्डोनेशिया और वियतनाम में, भारतीय श्रीलंका, दक्षिणी पूर्वी एशिया, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका और ~~इंग्लैण्ड~~ इंग्लैण्ड में जाकर बसे हैं। अर्थात जब एक व्यक्ति या समूह अपना देश छोड़कर दूसरे देश में जाकर बस जाता है तो उसे अन्तराष्ट्रीय स्थानान्तरण (प्रवास) कहते हैं।

~~द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व~~ अन्तराष्ट्रीय स्थानान्तरण (प्रवास) को तीन भागों में रखते हैं—

(1) Voluntary migration.
(2) Forced migration
(3) Labour migration.

1. Voluntary migration :— (स्वेच्छा पूर्ण स्थानान्तरण) :— इसके अन्तर्गत यूरोपीय जनसंख्या का अमेरिका एवं आस्ट्रेलिया में स्थानान्तरण (प्रवास) आता है। 1500 से 1600 के बीच लगभग 70 लाख लोग अमेरिका में आकर बसे इसी प्रकार 1900 से 1945 तक प्रतिवर्ष 26000 लोग स्थानान्तरण होते रहे। सबसे अधिक स्थानान्तरण ग्रेट ब्रिटेन में हुआ।

2. Forced migration :- इस प्रकार का स्थानान्तरण मुख्यतः सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक उत्पीड़न के कारण होता है। 20वीं शताब्दी में एशिया एवं यूरोप में इस प्रकार का व्यापक स्थानान्तरण हुआ। यूरोप से यहूदियों (Jews) के स्थानान्तरण के कारण इजराइल का जन्म हुआ। भारत, पाकिस्तान के विभाजन से भी बड़े पैमाने पर स्थानान्तरण हुआ।

3. Labour migration : (श्रम स्थानान्तरण) :— विश्व स्तर पर श्रम स्थानान्तरण भी हुआ है यह स्थानान्तरण मुख्यतः यूरोप एशिया से मध्य अमेरिका तथा हिन्द महासागर के द्वीपों में हुआ। मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम आदि देश श्रम स्थानान्तरण के परिणाम स्वरूप ही विकसित हुए हैं। इन देशों में भारतीय तथा यूरोपीय मूल के लोग अधिक हैं। इसी तरह अफ्रीका देश के लोग उ० अमेरिका में बसाया गया। इ० यूरोप में भी जनसंख्या का स्थानान्तरण हुआ।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का स्थानान्तरण 1950 के बाद से होनेवाला स्थानान्तरण है। इसके बाद के स्थानान्तरण में कमी आई है। अधिकतर राष्ट्रों में अपने देश के प्रति जागृती आई है। अधिकतर देशों में Anti migration act लागू किया है। लेकिन इसके बावजूद इसकी प्रवृत्ति देखी जाती है। लेकिन स्थानान्तरण का कारण भिन्न है।

Scanned with CamScanner